काल (Tenses)

मैं ताज़महल देखने गया था।

मैं पुस्तक पढ़ रहा हूँ।

मैं सेब खाऊँगा।

उपरोक्त वाक्यों में गया था, पढ़ रहा हूँ, खाऊँगा से ज्ञात हो रहा है कि कार्य हो गया है,हो रहा है, या होने वाला है इसे ही हम काल कहते हैं।

काल

क्रिया के जिस रुप से कार्य के होने या करने के समय का पता चलता है, उसे काल कहते है।
काल के भेद :

भूतकाल | वर्तमान काल | भविष्यत काल

भूतकाल के भेद	वर्तमानकाल के भेद	भविष्यत् काल के भेद
1.सामान्य भूत। 2.आसन्न भूत। 3.अपूर्ण भूत। 4.पूर्ण भूत। 5.संदिग्ध भूत। 6.हेतुहेतुमद भूत।	1.सामान्य वर्तमान। 2.अपूर्ण वर्तमान। 3.संदिग्ध वर्तमान। 4.पूर्ण वर्तमान काल	1.सामान्य भविष्यत्। 2.संभाव्य भविष्यत्।

भूतकाल(Past Tense)

क्रिया के जिस रूप से बीते हुए समय में कार्य संपन्न होने का पता चलता है, उसे भूतकाल कहते है। (वाक्य के अंत - था, थे, थी, आ, ई, ए आता है।) जैसे-

दादा जी ने समाचार पत्र पढ़ा।

दादा जी मंदिर गए थे।

ये सब भूतकाल की क्रियाएँ हैं, क्योंकि पढ़ा, गए थे क्रियाएँ भूतकाल का बोध कराती है।
भूतकाल के निम्नलिखित छह भेद हैं -

1. सामान्य भूतकाल(Past Indefinite Tense)

   क्रिया के जिस रूप से सामान्यत उसके भूतकाल में पूरे :हो जाने का बोध होता है, उसे सामान्य भूतकाल कहते है।

   जैसे -

   राम ने पत्र लिखा।

   श्रीया ने खाना खाया।

2. आसन्न भूतकाल(Immediate Past Tense)

   क्रिया के जिस रूप से अभी-अभी निकट भूतकाल में क्रिया का समाप्त होना प्रकट हो, उसे आसन्न भूतकाल कहते है।

   जैसे -

   राम ने पत्र लिखा है ।

   श्रीया ने खाना खाया है ।

3. अपूर्ण भूतकाल(Past Continuous Tense)

   क्रिया के जिस रूप से कार्य का होना बीते समय में प्रकट हो, पर पूरा होना प्रकट न हो वहाँ अपूर्ण भूतकाल कहते है ।

   जैसे-

   राम पत्र लिख रहा था।

   श्रीया खाना रही थी।

4. पूर्ण भूतकाल(Past Perfect Tense)

जहाँ क्रिया बहुत पहले ही पूरी हो चुकी हो, उसे पूर्ण भूतकाल कहते हैं।

जैसे-

राम ने पत्र लिखा था।

श्रीया खाना खाया था।

5. संदिग्ध भूतकाल(Past Presumptive Tense)

क्रिया के जिस रूप से भूतकाल का बोध तो हो किन्तु कार्य के होने में संदेह हो वहाँ संदिग्ध भूतकाल होता है।

जैसे-

राम ने पत्र लिखा होगा।

श्रीया खाना खाया होगा।

6. हेतुहेतुमद भूतकाल(Past Indefinite Tense)

जहाँ क्रिया एक - दूसरे पर आश्रित होती है, वहाँ हेतुहेतुमद भूतकाल होता है।

जैसे-

राम ने पत्र लिखा होता तो मैं अवश्य आता।

श्रीया ने खाना खाया होता तो उसे नींद आती ।

वर्तमान काल(Present Tense)

क्रिया के जिस रूप से यह प्रकट हो कि कार्य वर्तमान समय में हो रहा है, उसे वर्तमान काल कहते हैं। (वाक्य के अंत में है, हूँ, हैं आता है) जैसे -

लड़का खाना खा रहा है।

शिक्षिका पढ़ा रही हैं।

इन सब में वर्तमान काल की क्रियाएँ हैं, क्योंकि खा रहा है, पढ़ा रही हैं क्रियाएँ वर्तमान काल का बोध कराती हैं।

इसके निम्नलिखित ४ भेद हैं -

1. सामान्य वर्तमान काल(Present Indefinite Tense)

   क्रिया का वह रुप जो वर्तमान काल के साधारण रुप को दर्शाता है, उसे सामान्य वर्तमान काल कहते है।

   जैसे -

   संजय रोता है।

   वह खाना खाता है।

2. पूर्ण वर्तमान काल(Present Perfect Tense)

   काल के जिस क्रिया रूप द्वारा यह बोध होता है कि कार्य अभी पूर्ण हुआ है, उसे पूर्ण वर्तमान काल कहते हैं।

   जैसे-

   गीता ने फल खाये हैं।

   रीमा ने पढ़ाई की है ।

3. अपूर्ण वर्तमान काल(Present Continuous Tense)

   क्रिया के जिस रूप से यह बोध हो कि वर्तमान काल में कार्य अभी चल ही रहा है, समाप्त नहीं हुआ है, उसे अपूर्ण वर्तमान काल कहते हैं।

   जैसे-

   गीता फल खा रही है ।

   रीमा पढ़ाई कर रही है ।

4. संदिग्ध वर्तमान काल(Present Doubtful Tense)

क्रिया के जिस रूप से वर्तमान में कार्य के होने में संदेह का बोध हो, उसे संदिग्ध वर्तमान काल कहते हैं।

जैसे -

गीता फल खा रही होगी ।

रीमा पढ़ाई कर रही होगी ।

भविष्यत् काल (Future Tense)

क्रिया के जिस रूप से यह ज्ञात हो कि कार्य भविष्य में होगा वह भविष्यत् काल कहलाता है। (वाक्य के अंत में -गा ,गी ,गे आता है) जैसे-

गीता फल खाएँगी ।

रीमा पढ़ाई करेंगी ।

इन दोनों में भविष्यत् काल की क्रियाएँ हैं, क्योंकि खाएँगी और करेंगी क्रियाएँ भविष्यत् काल का बोध कराती हैं।

इसके निम्नलिखित दो भेद हैं -

1. सामान्य भविष्यत् काल (Future Indefinite Tense)

क्रिया के जिस रुप से सामान्यत: आने वाले समय में कार्य का होना प्रकट हो, उसे सामान्य भविष्यत् काल कहते हैं।

जैसे -

राम पत्र लिखेगा।

दादी कल बरेली जाएगी।

2. संभाव्य भविष्यत् काल(Future Presumptive Tense)

क्रिया के जिस रूप से कार्य के भविष्य में होने की संभावना का बोध हो, उसे संभाव्य भविष्यत् काल कहते हैं।

जैसे -

शायद दादी कल बरेली जाए।

संभव है राम पत्र लिखे।

4. अपूर्ण भविष्यतकाल(Future Continuous Tense)

जब भविष्य में कार्य के पूर्ण न होने का पता चले, उसे अपूर्ण भविष्यतकाल कहते है।

जैसे-

कविता खाना बना रही होगी।

जीवन चित्र बना रहा होगा।

5.पूर्ण भविष्यतकाल(Future Perfect Tense)

क्रिया के जिस रूप से यह ज्ञात हो कि कार्य भविष्य में पूरा होगा। उसे पूर्ण भविष्यतकाल कहते हैं।

जैसे –

बच्चे पंतग उड़ा चुके होंगे।

रमेश भोजन कर चुका होगा।

ध्यान दें (Points to remember)

- क्रिया के जिस रूप से क्रिया के होने का समय ज्ञात हो, उसे उस क्रिया का काल कहते हैं।
- काल के तीन भेद हैं -भूतकाल, वर्तमानकाल, भविष्यतकाल।
- क्रिया के बीते समय के ज्ञान को भूतकाल कहते हैं।
- क्रिया के जिस रूप से उसके वर्तमान में होने का ज्ञान हो उसे वर्तमानकाल कहते हैं।
- क्रिया के जिस रूप से ज्ञात हो कि कार्य आनेवाले समय में होने का ज्ञान हो, उसे भविष्यतकाल कहते हैं।
- है और हैं - वर्तमानकाल के सूचक हैं परन्तु इनका प्रयोग आसन्न भूतकाल में भी होता है। जैसे रीता ने भोजन कर लिया है।